न्यूज डायरी

तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच जंग का बढ़ा खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में अशरफ गनी की जगह पर दोबारा तालिबान राज लाने के लिए पूरी ताकत लगाने वाली पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए ये आतंकी अब भस्मासुर बन गए हैं। तालिबान का संरक्षण पाए तहरीक–ए– तालिबान पाकिस्थान के आतंकी पाकिस्तानी सेना के जवानों की लगातार हत्या कर रहे हैं। टीटीपी के आतंकी पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले करके अफगानिस्तान भाग जा रहे थे। इसके जवाब में इतिहास में पहली बार पाकिस्तानी वायुसेना ने अफगानिस्तान में घुसकर हवाई हमला किया है। इस हमले में करीब 50 लोग मारे गए हैं जिससे तालिबान भड़क गया है और दोनों देशों के बीच सीमा पर जंग के हालात बन रहे हैं। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद नाटकीय तरीके से पाकिस्तान के साथ रिश्तों में गिरावट आई है। इन हमलों में महिलाओं और बच्च्चों समेत करीब 50 आम नागरिक मारे गए हैं।

गोटाबाया राजपक्षे के तुगलकी फरमान से बर्बाद हुआ श्रीलंका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने देश में आर्थिक बर्बादी के बीच नई कैबिनेट का गठन किया है। श्रीलंका में रेकॉर्ड महंगाई और खाने पीने के सामानों की किल्लतों के बीच जनता सड़क पर है। पिछले 10 दिनों से श्रीलंका की जनता लाखों की तादाद में समुद्र के किनारे भारी विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस बीच राष्ट्रपति गोटाबाया ने देश में खाने की गंभीर किल्ल्त पर पहली बार अपनी गलती मान ली है। उन्होंने कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरक नहीं देकर उनके प्रशासन ने बड़ी भूल की और हम पुरानी प्रणाली को फिर से शुरू करने जा रहे हैं। गोटाबाया ने श्रीलंका को आर्थिक बदहाली से निकालने के लिए नई कैबिनेट बनाई है जिसमें 17 मंत्री शामिल हैं। इस कैबिनेट में गोटाबाया ने अपने दो भाइयों चमल और बासिल राजपक्षे तथा भतीजे नमल राजपक्षे को हटा दिया है। इससे पहले ये तीनों ही गोटाबाया सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका में थे।

यूएई जाने का ख्वाब रखने वाले भारतीयों के लिए बड़ी खबर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात जाकर काम करने और रहने का सपना देखने वाले भारतीयों के लिए एक बड़ी खबर है। वीजा सुधारों को लेकर सबसे बड़ा कदम उठाते हुए यूएई ने देश में एंट्री और निवास के लिए नई योजना पेश की है। इसके तहत 10 प्रकार के एंट्री वीजा जारी किए जाएंगे जो काफी सरल तरीके से उपलब्ध होंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि नए वीजा के लिए किसी भी होस्ट या प्रायोजक की जरूरत नहीं होगी। इसके साथ ही इनके एंट्री पर कोई लिमिट नहीं होगी। विजिटर के तौर पर अब देश में 60 दिन रुका जा सकता है, जो पहले सिर्फ 30 दिन था। नए नियमों के मुताबिक गोल्डन रेजिडेंस धारक अपने पति–पत्नी, बच्चों समेत परिवार के अन्य सदस्यों को स्पॉन्सर कर सकते हैं। इसके साथ ही वह घरेलू कामगारों को भी होस्ट कर सकते हैं।

रूसी सेना ने डोनबास पर बड़े पैमाने पर शुरू किया आक्रमण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन युद्ध को आज 55वां दिन है। दोनों देशों के बीच अब तक कोई सुलह नहीं हो पाई है। इस बीच रूसी सेना ने डोनबास में फिर से लड़ाई शुरू कर दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक वीडियो संबोधन में कहा है कि यूक्रेन अपना बचाव करेगा। सीएनएन के अनुसार, जेलेंस्की ने कहा रूसी बलों ने डोनबास में बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू कर दिया है। जिसके लिए वे लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं। पूरी रूसी सेना अब इस हमले पर ध्यान केंद्रित कर रही है। हम यूक्रेन के किसी भी हिस्से को कभी भी आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। दरअसल, जेलेंस्की ने कहा है कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो कितने सैनिकों को डोनबास में युद्ध लड़ने के लिए भेजते हैं, क्योंकि हम लड़ेंगे। हम अपना बचाव करेंगे और यूक्रेन अपना बचाव करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने किसी भी क्षेत्र को नहीं छोड़ेंगे।

रूसी विदेश मंत्री का बड़ा बयान, दुनिया पर राज करना चाहता है अमेरिका

निशाना

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। यूक्रेन में चल रही भीषण लड़ाई के बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक बार फिर से अमेरिका और पश्चिमी देशों पर निशाना साधा है। लावरोव ने कहा कि यूक्रेन के ताजा हालात के लिए अमेरिका और पश्चिमी देशों की दुनिया पर शासन और आधिपत्य स्थापित करने की इच्छा सीधे तौर पर जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देश दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि कोई बहुध्रुवीय विश्व नहीं होने जा रहा है, केवल एकध्रुवीय विश्व ही होगा।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश और अमेरिका ने हमारी सीमा पर रूस के खिलाफ यूक्रेन को खड़ा किया और उसे बड़ी मात्रा में हथियार दिए। उन्होंने कहा, (इस युद्ध के लिए) असली कारण द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ज्यादातर देशों की प्रसन्नता थी। उन्होंने रूसी नेतृत्व से किए अपने वादे का उल्लंघन किया

और सोवियत संघ के विघटन के बाद नाटो को पूरब की तरफ बढ़ाना शुरू कर दिया। वे कहते हैं कि यह एक आत्मरक्षा का संगठन है और रूसी सुरक्षा के लिए खतरा नहीं है।

रूसी सेना केवल यूक्रेनी सेना के आधारभूत ढांचे को निशाना बना रही लावरोव ने दावा किया कि रूसी सेना केवल यूक्रेनी सेना के आधारभूत ढांचे को निशाना बना रही है। यूक्रेन में युद्धापराध के आरोप पर लावरोव ने दावा किया कि हम आम नागरिकों पर हमले नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन की सेना आम नागरिकों को इस्तेमाल मानव ढाल के रूप में कर रही है। लावरोव ने कहा, पश्चिमी देश हमारे तथ्यों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वे झूठी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं जैसे उन्होंने बूचा के बारे में कहा था। उन्होंने बूचा को तब सामने आया जब तीन दिन पहले यूक्रेन के मेयर ने गर्व के साथ कहा था कि शहर उनके नियंत्रण में दोबारा आ गया है। लावरोव का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस ने पूर्वी डोनबास क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए हमला शुरू कर दिया है। रूस ने सोमवार को रॉकेट और तोप के गोलों से शहरों पर बमबारी की है। एक वीडियो संबोधन में जेलेंस्की ने कहा कि 'डोनबास के लिए युद्ध शुरू हो गया है।'

रूस ने कई पूर्वी क्षेत्रों में रहकेट और तोप के गोलों की बौछार की

बीबीसी ने बताया कि लेकिन कड़े प्रतिरोध का सामना करने के बाद रूसी रक्षा अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन के पहले चरण में इसका मुख्य उद्देश्य पूरा किया गया और इसकी सेना को राजधानी के आसपास के क्षेत्रों से स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने रूसी भाषी डोनबास क्षेत्र की मुक्ति के लिए आक्रमण पर ध्यान केंद्रित करने की घोषणा की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आक्रमण को यूक्रेन की सैन्य शक्ति समाप्त करने के प्रयास के रूप में चित्रित किया है।

पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री बनीं हिना रब्बानी खार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट के 30 सदस्यों ने आज शपथ ग्रहण कर लिया। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के शपथ दिलाने से इंकार करने के बाद सीनेट के स्पीकर सादिक संजरानी ने मंत्रियों को शपथ दिलाई। पाकिस्तान के इन मंत्रियों में जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह हैं पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार। जी हां, अपनी खुबसूरती और फैशन की वजह से हिना रब्बानी खार पूरी दुनिया में जानी जाती हैं। हिना को विदेश राज्यमंत्री बनाया जा सकता है और माना जा रहा कि उनकी पार्टी पीपीपी के नेता बिलावल भुट्टो को विदेश मंत्री बनाया जाएगा। यह वही बिलावल हैं जिनके साथ हिना रब्बानी के इश्क की खबरें आ चुकी हैं।

हिना रब्बानी खार पाकिस्तान की सबसे युवा विदेश मंत्री रह चुकी हैं। हिना फरवरी 2011 से लेकर मार्च 2013 तक पाकिस्तान के विदेश मंत्री का पदभार संभाल चुकी हैं। जब हिना ने यह पद संभाला था, वह मात्र 33 साल की थीं। वह विदेश मंत्री बनने वाली सबसे युवा और पहली महिला थीं। हिना के इसी अनुभव का फायदा उठाते हुए पाकिस्तान की नई सरकार ने उन्हें विदेश राज्यमंत्री बनाया है।

शहबाज शरीफ के नए मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के 34 मंत्रियों वाले नए कैबिनेट ने मंगलवार को शपथ ली। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी की गैरमौजूदगी में सीनेट चेयरमैन सादिक सांजरानी ने सभी मंत्रियों को शपथ दिलाया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इस शपथ समारोह में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। स्थानीय समयानुसार सोमवार रात 8.30 बजे ही इन मंत्रियों को शपथ लेना था लेकिन जब प्रधानमंत्री कार्यालय ने राष्ट्रपति कार्यालय से संपर्क किया तब अल्वी ने शपथ दिलाने से इन्कार कर दिया था।

काबुल में स्कूल के बाहर भीषण विस्फोट, कई बच्चों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में दो भीषण बम धमाकों में कम से कम 25 स्कूली बच्चों के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि पश्मिची काबुल के दाश्त ए बार्ची इलाके में एक स्कूल के बाद एक के बाद एक दो धमाके हुए हैं। जब यह धमाका हुआ, उस समय बच्चे स्कूल से बाहर निकल रहे थे। अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय ने इन विस्फोटों की पुष्टि की है। हालांकि अभी मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा नहीं आया है।

टोलो न्यूज के मुताबिक एक विस्फोट मुमताज ट्रेनिंग सेंटर के

पास हुआ जबकि दूसरा धमाका अब्दुल रहीम शहीद हाई स्कूल के सामने हुआ। विस्फोट के समय बच्चे अपनी कक्षा से बाहर निकल रहे थे। अफगानिस्तान के गृहमंत्रालय ने कहा है कि वह इन विस्फोटों की जांच कर रहा है और ज्यादा जानकारी बाद में साझा की जाएगी। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कुल तीन धमाके काबुल में हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अब्दुल रहीम शहीद हाई स्कूल में ही दो धमाके हुए हैं। इसमें कम से कम 25 बच्चे मारे गए हैं। अब्दुल रहीम शहीद हाई स्कूल पश्चिमी काबुल के सबसे चर्चित स्कूलों में से है। इस स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चे अल्पसंख्यक हजारा समुदाय के थे जो अक्सर आतंकियों के निशाने पर रहता है। तालिबान राज में हजारा समुदाय के लोगों पर पहले भी कई हमले हो चुके हैं। अभी तक किसी भी गुट ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मुस्लिमों पर हमले कर रहे हिंदू, दुनिया दे दखल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली नई सरकार ने भी भारत के खिलाफ जहरीले बयान देना जारी रखा है। हिंदुओं और ईसाइयों पर हमले को रोक पाने में फेल साबित हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को भारतीयों को भड़काने की कोशिश की। शहबाज शरीफ सरकार ने राजधानी दिल्ली समेत भारत के कई शहरों में हाल ही में मुस्लिम समुदाय पर हुए हमलों की निंदा की। पाकिस्तान ने आरोप लगाया किया कि इन हमलों को कट्टर हिंदुओं ने अंजाम दिया है और मांग की कि मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए दुनिया भारत को जिम्मेदार ठहराए। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक दिल्ली जहांगीरपुरी में हुए दंगे का जिक्र करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि मस्जिद पर भगवा झंडा फहराने का प्रयास किया गया था और आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। इसके अलावा भड़काऊ संगीत बजाया जा रहा था।